



सब का सपना



जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में बादशाह संकुल, अमरोहा

पेज: 3

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गोविंदा पहुंचे महाकाल के दरबार

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 178

शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

संक्षिप्त

समाचार

महीने के पहले दिन शेयर मार्केट लहलुहान, 10 लाख करोड़ स्वाहा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर में शेयर बाजार में भारी बिकवाली रही और निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। माना जा रहा था कि अक्टूबर का महीना निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आएगा क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यह महीना शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा है। लेकिन महीने के पहले ही दिन निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। संसेक्स और निफ्टी दोनों में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। लगातार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली, बैंड वॉलड में बढ़ती रही और अन्य कारणों से निवेशक डरे हुए थे।



बीएसई संसेक्स करीब 1,100 अंक गिरकर 71,400 के नीचे आ गया, जबकि निफ्टी 50 में करीब 400 अंक की गिरावट आई और यह 22,300 के नीचे चला गया। इस भारी बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 10 लाख करोड़ रुपये कम होकर 462 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया।

किन शेयरों में आई गिरावट?

आज एमएंडएम, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एचयूएल और बीईएल के शेयरों में 3-4 प्रतिशत की गिरावट आई और ये संसेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयर रहे।

2008 अहमदाबाद धमाके

इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य की फांसी पर सेक

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अबू अबुबकर बरलेवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी



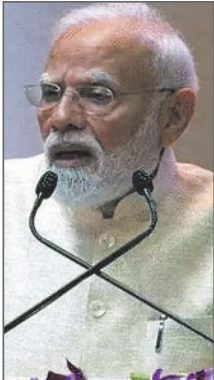
किया है। बावा ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड भी तब किया है।

38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी हाईकोर्ट ने 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत, हमले की साजिश रचने और आतंक फैलाने का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।

यूपीएससी पर भरोसा अटूट है

पीएम मोदी शताब्दी समारोह में बोले, आईएस-आईपीएस बनाने वाली संस्था के 100 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडप में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोग की भूमिका और देश की प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडप में



में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी। इस दौरान किताब, डाक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन 100 साल में पीएससी ने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोग के शताब्दी समारोह में पारदर्शिता, तकनीक और भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में बताई पीएससी की भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में पीएससी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आयोग ने कई पीढ़ियों के लोक सेवकों की पहचान करने और उन्हें तैयार करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उनके काम ने देशों को भारती की विकास यात्रा में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने देशकों में लगातार खुद को बदला है।

सीएम योगी बोले- बंद कमरे में टिप्पणी करना आसान

सुरक्षा हटा दें तो कुछ लोग भीगी बिल्ली बने नजर आएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक राड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को



लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेक्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया।

बंद कमरे में बैठकर टिप्पणी करना बेहद आसान- मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरु हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो उसी जगह की माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

राहुल गांधी बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिले

कहा- सरकार बीमारियों से निपटने में नाकाम

बालाघाट (एजेंसी)। राहुल गांधी ने गुरुवार को बालाघाट के बिरसा ब्लॉक के जंगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। यहां वे एक घंटे रुके। इस दौरान वे उन बच्चों के परिवारों से भी मिले, जिनकी बीमारी के चलते मौत हुई थी। राहुल से मिलने के लिए आसपास के गांवों के डेढ़ हजार लोग पहुंचे थे।

राहुल ने कहा, बीमारी से निपटने में राज्य सरकार पूरी तरह फेल रही है। वे यह मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी महिलाओं को लाइली बहना स्कीम का लाभ नहीं मिल रहा है। इससे पहले रास्ते में राहुल



ने माटे प्राथमिक शासकीय स्कूल में बच्चों से 15 मिनट मुलाकात की। उनसे मिड डे मील के बारे में जाना।

बालाघाट जिले में पिछले 3 महीनों में कुपोषण और मलेरिया

से 32 आदिवासी बच्चों की मौत हुई है। कांग्रेस का आरोप है कि यह संख्या ज्यादा है। सरकार आंकड़े छुपा रही है। उधर, बीजेपी ने इस दौरे को राजनीतिक माइलेज लेने की कवायद बताया है।

राहुल बोले-

बीमारी- कुपोषण से मौतें हुईं, केंद्र-मध्यप्रदेश सरकार फेल- राहुल गांधी ने कहा कि बीमारी और कुपोषण के कारण मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को हिंदुस्तान के बीच में छोड़ दिया गया है। राहुल ने केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार को फेल बताया। राहुल बोले- बीमारी का मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे राहुल गांधी ने कहा कि बीमारी के मामले में सरकार फेलियर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया जाएगा। राहुल ने आदिवासी महिला को लाइली बहना योजना का लाभ नहीं मिलने पर भी सवाल खड़े किए।

सुप्रिया बोलीं- राहुल गांधी हमेशा अडिग- कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- इस देश में जिसके साथ भी अन्याय होता है, वहां उनके साथ एक ही आदमी खड़ा है। हमेशा, हर वक्त, अडिग।

बिहार में गंडक नदी उफान पर



पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकर प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फेल गया है। इससे मकर प्रखंड की सभी पंचायतें और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से

प्रभावित थे। प्रभावित आबादी करीब 24,725 और लगभग 4,220 परिवार हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है।

प्रभावित पंचायतों में नाव की व्यवस्था- जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मकर में तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से फैल रहा है। प्रभावित पंचायतों में नावें लगाई गई हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि कल रात से ही प्रशासन की टीमों राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ की दो टीमें और एसडीआरएफ की एक टीम को लगाया गया है।

करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था- बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में सामुदायिक रसोई शुरू की गई हैं। बुधवार को 14 सामुदायिक रसोई के माध्यम से करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई।

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, स्कूल-मंदिरों में घुसा पानी: लखनऊ के कई इलाके जलमग्न



आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उत्राव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है।

राजस्थान: राज्य में दिन में तेज गर्मी, रात में ठंडक- राजस्थान में इस मानसून सीजन करीब 22 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई। कम बरसात के कारण अक्टूबर में भी दिन में तेज गर्मी महसूस हो रही है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंडक रही। शेखावाटी क्षेत्र के अलावा उदयपुर, सिराही में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उसके करीब रहा।

6 महीने होते ही भारत उड़ाएगा पूरी दुनिया की नींद

होमी भाभा के सपनों का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च तक पूर्ण होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अगले छह महीने में 500 मेगावाट (एमडब्ल्यू) वाला प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) पूरा हो जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रिएक्टर डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह इस्तेमाल होने वाले परमाणु ईंधन से ज्यादा इस्तेमाल करने लायक परमाणु ईंधन बनाता है। इससे भारत के थोरियम के विशाल भंडार का लंबे समय तक इस्तेमाल करने का रास्ता खुलता है। भारत के 'नेट जीरो 2070' के लक्ष्य को हासिल करने में यह



प्रोजेक्ट बेहद मददगार हो सकता है।

500 एमडब्ल्यू पीएफबीआर रिएक्टर मार्च, 2027 तक पूरा होने की उम्मीद- भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने बताया है कि तमिलनाडु के कलपक्कम में इस 500 एमडब्ल्यू

का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

इंडिया टुडे ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) एप्लीकेशन के तहत मिले जवाबों के आधार पर यह जानकारी दी है।

आम पावर रिएक्टरों से अलग ये परमाणु रिएक्टर- BHAVINI के आरटीआई जवाब से प्ति होती है कि वह कल्पकम में 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू कर रहा है। जवाब में कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट के मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है यह रिएक्टर भारत के तीन-चरण वाले न्यूक्लियर प्रोग्राम में एक अहम कदम है। अतिरिक्त इस्तेमाल लायक न्यूक्लियर पयुत बनाने की इसकी क्षमता इसे आम पावर रिएक्टरों से अलग बनाती है और थोरियम के इस्तेमाल की देश की लंबी अवधि की योजनाओं में मदद करती है। 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर परमाणु रिएक्टर डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा है।

भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स का फाइनल



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हाकी में भारत ने आखिरी मिनट में गोलकर पाकिस्तान को हराया

भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स में सैं हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई। गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

संपादकीय

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

जम्मू-कश्मीर स्थित कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की ड्यूटी पर तैनात एक हिंसक साथी द्वारा चार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर छिपे खतरों की डरावनी तस्वीर उकेरी है। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस ए.के-47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस वाकये में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरू हुई बहस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। विगत में भी मानसिक द्वंद्व से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं के निपटारे के लिये मजबूत सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है। दरअसल, दूर-दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलों तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मों के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर संवेदनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार रखना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका अभिप्राय यह कदापि नहीं है कि हर छोटा-मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुखद घटना को टाला जा सके। निस्संदेह, केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में ऐसे दुखद हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और असरदार निगरानी की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

निस्संदेह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिहार्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन के लिये जवानों का हरदम शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए। कुछ वर्ष पूर्व गृह मंत्रालय की एक टास्क फोर्स ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कुछ जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या करने के मुख्य कारणों की पहचान की थी। जिसमें उल्लेख किया गया है कि कठोर सेवा शर्तें, छुट्टी मिलने में देरी-विशेषकर परिवार में आपात स्थिति के समय, आलोचना, उर्पीड़न पर प्रतिक्रिया तथा साथियों के अनुचित व्यवहार के कारण हिंसक प्रतिक्रियाएँ बढ़ी हैं। कठुआ की घटना की जांच में भी यह पता लगाया जाना चाहिए कि क्या इस मामले में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। यह दुखद है कि कि देश के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का जिम्मा सभालने वाले देश के एक प्रमुख सुरक्षा बल ने अपने चार जवानों को असमय खो दिया है। निस्संदेह, उनकी मौत के लिये जवाबदेही तय होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी सशस्त्र बल के भीतर का मनमुटाव कभी इतने घातक परिणामों तक न पहुंच पाये। दरअसल, वक्त बदला है तो रोजगार के अवसर सिमटने के चलते उच्च शिक्षा हासिल युवा इन सुरक्षा बलों में भर्ती हुए हैं। जिंदगी में सुनहरे सपने लिये जब वे इन सुरक्षा बलों में आते हैं तो कठोर अनुशासन व सख्त नियमों के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। वहीं सुरक्षा बलों का ढांचा पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जो नई पीढ़ी की बदलाव की आकांक्षाओं के साथ तालमेल बैठाता नजर नहीं आता है। फलतः जवानों की अपने अधिकारियों से अनेक मुद्दों पर वैचारिक भिन्नता हो सकती है। निस्संदेह, कठोर अनुशासन सुरक्षा बलों की अपरिहार्य शर्त होती है, लेकिन आज की पीढ़ी में पुरानी पीढ़ी जैसा धैर्य और सहनशीलता नजर नहीं आती है। जो कालांतर बड़े अधिकारियों के सख्त अनुशासित व्यवहार में बाधक होता है। निस्संदेह, देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वरूप को बदलते वक्त की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने की जरूरत है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सनत जैन

हर्षद मेहता जैसा घोटाला ? भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। शेयर बाजार के निवेशकों को 8 सप्ताह के अंदर लगभग 45 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कोई छोटा-मोटा नुकसान नहीं है। दिसंबर 2025 में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार 86159 के सूचकांक पर हो रहा था। 1



स्वामी देवेद ब्रह्मचारी

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के जिस दौर में पहुंची है, उसी के समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रों के बीच विश्ववास है, समाजों में वैचारिक टकराव है, परिवारों में तनाव है और व्यक्तिगत जीवन में भी क्रोध, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अहिंसा केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकता की वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्ताव में अहिंसा की सार्वभौमिक प्रार्संगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अहिंसा जीवन का सौंदर्य है। यह केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाने का नाम नहीं है। अहिंसा मन, वचन और कर्म की निर्मलता है। किसी के प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषा से बचना, विचारों में कटुता न पालना और अपने व्यवहार से दूसरे के मन को अनावश्यक पीड़ा न देना भी अहिंसा है। इसलिए अहिंसा संतुलित जीवन का आधार है। जहां हिंसा है वहां भय है, जहां भय है वहां तनाव है और जहां तनाव है वहां सुख एवं शांति का स्थायी निवास संभव नहीं है। अहिंसा की सबसे व्यापक और सूक्ष्म व्याख्या जैन धर्म में मिलती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को जीवन का

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएँ बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताव्य है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चेतावनी महत्व भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएँ खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्यवाही कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुविंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमहेंटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुविंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएँ थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बर्बर सामग्री से होने वाले छापामंट इंजेक्शनहू और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत

शेयर बाजार में निवेशकों के 8 सप्ताह में डूबे 45 लाख करोड़

अक्टूबर 2026 को यह गिरकर 71328 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में 26373 पर कारोबार कर रहा था। जो अब घटकर 22337 पर आ गया है। शेयर बाजार में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। पिछले 8 सप्ताह में जिस तरह से शेयर बाजार में निकासी का दौर शुरू हो गया है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार छोड़कर भाग रहे हैं। रिजर्व बैंक और सेबी की जो नई नीतियां बनी है, उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। भारतीय शेयर बाजार को सट्टे बाजार की तरह संचालित किए जाने से निवेशको का भरोसा अब शेयर बाजार में नहीं रहा। रही-सही कसर रिजर्व बैंक ने पूरी कर दी है। जब उसने प्रवासी भारतीयों से ऊंची ब्याज दर पर डॉलर में निवेश करने और डॉलर में ही ब्याज देने का प्रावधान किया। उसके बाद से स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं, 1992 जैसे हालत 2026 में देखने को मिल रहे हैं। 1992 में जब हर्षद मेहता घोटाला सामने आया था। हर्षद मेहता के रंक

अहिंसा है जीवन का सौन्दर्य एवं सृष्टि का आधार

सर्वोच्च धर्म बनाया। जैन दर्शन में अहिंसा केवल मनुष्य को मनुष्य से बचाने का सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के अस्तित्व के सम्मान का दर्शन है। यही कारण है कि जैन साधु-साध्वियों का जीवन अहिंसा की प्रयोगशाला जैसा दिखाई देता है। जैन साधु चलते हैं तो अत्यंत सावधानी से कदम रखते हैं। वे अपने आगे के स्थान को कोमल रजोहरण से साफ करते हैं, ताकि सूक्ष्म जीवों को भी अनावश्यक चोट न पहुंचे। श्वेतांबर परंपरा में मुखवस्त्रिका का प्रयोग भी सूक्ष्म जीवों के प्रति सावधानी की इसी भावना से जुड़ा है। जैन मुनियों के आचार में चलने, बोलने, वस्तु उठाने-रखने और भोजन ग्रहण करने तक में सजगता का विशेष महत्व है। यहां अहिंसा का अर्थ केवल बाहरी हिंसा से बचना नहीं, बल्कि सजग होकर जीना है। जैन आचार में रात्रि-भोजन से बचने, भोजन और जल को जीवों की रक्षा की दृष्टि से सावधानीपूर्वक ग्रहण करने जैसी परंपराएं भी इसी सूक्ष्म अहिंसक चेतना से जुड़ी हैं। जैन साधु का जीवन हमें एक बहुत बड़ा संदेश देता है- जिस जीवन में छोटी-से-छोटी हिंसा के प्रति भी संवेदना है, उसमें बड़ी हिंसा के लिए स्थान कैसे हो सकता है? यही अहिंसा का विराट दर्शन है। भगवान महावीर की अहिंसा की विशेषता यह है कि वह केवल हाथ की हिंसा को नहीं रोकती, बल्कि वाणी और विचार की हिंसा को भी चुनौती देती है। कटु शब्द किसी व्यक्ति के शरीर को घायल नहीं करते, लेकिन उसके मन को गहरी चोट पहुंचा सकते हैं। इसलिए अहिंसा का वास्तविक विस्तार तभी होगा जब हम अपनी भाषा को भी करुणामय बनाएं। हमारा व्यवहार ऐसा हो कि हमारे संपर्क में आने वाला व्यक्ति अपने भीतर अपमान, भय या कड़वाहट महसूस न करे। आज सोशल मीडिया के दौर में यह शिक्षा और भी महत्वपूर्ण है। एक कठोर शब्द, एक अपमानजनक टिप्पणी या एक झूठी सूचना हजारों लोगों के मन में तनाव और घृणा पैदा कर सकती है। इसलिए डिजिटल युग में अहिंसक वाणी और अहिंसक संचार की जरूरत पहले से अधिक है। यदि भगवान महावीर ने अहिंसा को आध्यात्मिक और जीवन-दर्शन के रूप में अत्यंत सूक्ष्मता प्रदान की, तो महात्मा गांधी ने उसे सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रभावी साधन बनाया। गांधी ने सत्य और अहिंसा की स्वतंत्रता संघर्ष के केंद्र में रखा। ममक सत्याग्रह सहित उनके आंदोलनों ने यह दिखाया कि

से राजा और राजा से रंक बनने की कहानी को आसानी से समझा जा सकता है। 1992 में शेयर बाजार में मात्र 4025 रुपए करोड़ रुपए का घोटाला हुआ था। जिसने शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव को हिला कर रख दिया था। उस समय भी भारतीय वित्तीय संस्थानों और बैंकों को भारी नुकसान हुआ था। यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया जैसी कंपनी पूरी तरह से बैठ गई थी। चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल बन गया था। उस समय हर्षद मेहता ने एक करोड़ रुपए की रिश्तव तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव को देने की पेशकश की थी। इस पर बड़ा बवाल मचा था। 1992 के शेयर घोटाले के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को संभलने में कई वर्ष लगे। 2014 के बाद से जिस तरह से सेबी और रिजर्व बैंक समय-समय पर जो नियम कानून बना रहे हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आर्थिक मामलों में जो निर्णय लिए जा रहे हैं। उसके बारे में अब कहा जा रहा है, शेयर बाजार और भारतीय कंपनियों के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले पिछले 12 वर्षों में हुए हैं। शेयर बाजार से

अन्याय का प्रतिरोध हिंसा के बिना भी किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी गांधी को अहिंसा के दर्शन और रणनीति के प्रमुख प्रवर्तकों में मानता है और उनके नेतृत्व को विश्वभर के अहिंसक आंदोलनों की प्रेरणा से जोड़ता है। गांधी की अहिंसा कायरता नहीं थी। वह अन्याय के सामने चुप रहने का नाम भी नहीं थी। वह सत्य के साथ खड़े होकर अन्याय का प्रतिरोध करने की शक्ति थी। गांधी के लिए साधन और साध्य का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण था-शांतिपूर्ण समाज की स्थापना हिंसक साधनों से नहीं की जा सकती। संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज भी गांधी के विचारों को इसी संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं कि स्थायी परिवर्तन के लिए अहिंसक साधनों की आवश्यकता है। आज हेतु और आतंकवाद ने मानवता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। राष्ट्रों के पास विनाश के पहले से अधिक शक्तिशाली साधन हैं। तकनीक ने युद्ध की क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे समय में अहिंसा का अर्थ यह नहीं कि समाज अपनी सुरक्षा और न्याय की जिम्मेवारी छोड़ दे। आतंकवाद और हिंसा का सामना करते हुए राष्ट्रों को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होती है। लेकिन दीर्घकालीन शांति केवल शक्ति-संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, न्याय, सह-अस्तित्व और मानवीय संवेदना से निर्मित होती है। भारत की सभ्यता ने सदियों से वसुधैव कुटुम्बक, सर्वे भवन्तु सुखिनः, अनेकांत और सर्वधर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओं के माध्यम से इसी व्यापक दृष्टि को पोषित किया है। ये विचार हमें बताते हैं कि दूसरे की दृष्टि को समझे बिना र्थायी शांति संभव नहीं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी शांति और संवाद की आवश्यकता को लगातार रेखांकित किया है।

भारत के वर्तमान नेतृत्व ने भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और मानव-केंद्रित विकास जैसे विचारों को सामने रखा है। लेकिन अहिंसा का वैश्विक संदेश केवल सरकारों या राजनेताओं का दायित्व नहीं है। इसकी शुरुआत व्यक्ति से होती है- परिवार से, विद्यालय से, समाज से और हमारी रोजमर्रा की भाषा एवं व्यवहार से। आज मनुष्य को बाहर की हिंसा से जितना खतरा है, उतना ही भीतर की हिंसा से भी है। क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध मनुष्य के भीतर निरंतर संघर्ष पैदा करते हैं। इसलिए अहिंसा का पहला प्रयोग अपने भीतर होना चाहिए। अपने क्रोध को

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी



स्वीकार की है। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई एक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, वैज्ञान धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत

सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मागे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर संचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, रूशिन लॉगिंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

सारा पैसा मुनाफाखोरी और घोटालेबाजी के कारण निकल चुका है। यह पैसा भारतीय शेयर बाजार से निकलकर विदेशों में निवेश हो गया है।-भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कंपनियों में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार के माध्यम से भारी आर्थिक गड़बड़ियां की गई हैं। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के हालात शेयर बाजार के बने हुए हैं। उसने शेयर बाजार की आंतरिक स्थिति को और भी खराब कर दिया है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। डालर के मुकाबले रुपया की कीमत तेजी के साथ कम हुई है। राजकोपीय घाटा बढ़ता ही जा रहा है। अयात और निर्यात के बीच का अंतर भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। पिछले दो सप्ताह में शेयर बाजार से लगभग 45 लाख करोड़ रुपया निवेशकों का नुकसान के रूप में सामने आया है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, भारत की अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब दौर में पहुंच गई है।

करुणा में, प्रतिस्पर्धा को सहयोग में, प्रतिशोध को क्षमा में और असहमति को संवाद में बदलना ही आधुनिक अहिंसा है। विरवार में अहिंसा के अहिंसा-दुस्तरों की समझना। समाज में अहिंसा का अर्थ है-विचिधताओं का सम्मान करना। राजनीति में अहिंसा का अर्थ है-विचारों के संघर्ष को शत्रुता में न बदलना। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अहिंसा का अर्थ है-संवाद और कूटनीति के रास्ते खुले रखना। अहिंसा कमजोरी नहीं, संयमित शक्ति है। हिंसा तत्काल परिणाम दे सकती है, लेकिन स्थायी शांति का निर्माण नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र ने भी गांधी के संदर्भ में इस विचार को रेखांकित किया है कि हिंसा पर स्थायी निर्माण संभव नहीं है।

आज जब दुनिया हिंसा की बढ़ती प्रवृत्तियों से चिंतित है, तब भारत की धरती से एक बार फिर यह संदेश मुखर होना चाहिए-अहिंसा केवल भारत की विरासत नहीं, संपूर्ण मानवता का भविष्य है। महावीर की करुणा और गांधी के सत्याग्रह की रोशनी में यदि मनुष्य अपने विचार, वाणी और व्यवहार को बदल सके, तो युद्ध की मानसिकता के स्थान पर संवाद, घृणा के स्थान पर मैत्री और संघर्ष के स्थान पर सह-अस्तित्व की नई विश्व-संरचना संभव है। यही अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की सार्थकता है और यही मानवता के शांत, संतुलित एवं सुंदर भविष्य की दिशा भी। अहिंसा के इस व्यापक संदेश को समाज के सभी जीवंत बनाने में महावीरायतन फाउंडेशन की भूमिका भी उल्लेखनीय है। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा अहिंसा, करुणा, शाकाहार, जीव-दया, पर्यावरण-संरक्षण, प्राणीपूजा के प्रति संवेदना तथा मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखकर विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक प्रवृत्तियां संचालित की जाती हैं और संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं संवाद-कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा-दर्शन को समकालीन जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। भरे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने भी अपने संपूर्ण जीवन से अहिंसक, संयमित और करुणामय जीवनशैली की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि महावीर की सूक्ष्म अहिंसा, गांधी के अहिंसा दर्शन और आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जीवन-साधना से प्रेरणा लेकर अहिंसा को व्यक्तिगत आचरण से सामाजिक संस्कार और सामाजिक संस्कार से वैश्विक जीवन-दृष्टि बनाया जाए।

इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएँ कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वेध शक्ति होगी। इसीलिए केवल कंपनियों के स्वेच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक केंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को ह्यएआई बंद करेहू नहीं, बल्कि ह्यएआई की जिम्मेदारी के साथ विकसित करेहू का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएँ आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदित्च्छ पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकताएआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन निष्पत्ति की बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली चेटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का हुआ शुभारंभ



बहजोई/संभल (सब का सपना):— बहजोई स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर नारायण टोला में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन बाहर से पथारों कथा वाचक पंडित देश पाल भारद्वाज के पावन सानिध्य में किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन सुबह करीब



आठ बजे मंदिर प्रांगण में आचार्यों द्वारा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इसके उपरांत क्षेत्र में एक भव्य और सुसज्जित कलश यात्रा निकाली गई। पीले वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश लिए चल रही महिलाओं के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। यह श्रीमद्भागवत कथा दोपहर 3 बजे से

राजेश पायलट इंटर कॉलेज में स्थापना दिवस पर सांसद ने की दो कमरों की घोषणा



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):— राजेश पायलट इंटर कॉलेज जेबड़ा गुर्जर में गुरुवार को विद्यालय का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर रहे। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद ने छात्र



सिंह सैनी, मनोज शर्मा, भीष्म सिंह खड्गवंशी, यशपाल सिंह (जिलास्वच्छ शिक्षक संघ), रामवीर सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षक संघ), रामचंद्र सिंह गुर्जर, अजब सिंह गुर्जर, प्रमोद त्यागी, रोबिन त्यागी, प्रमोद नागर, सोनू नागर, बबू नागर, धर्मवीर प्रधान, सुरेंद्र शर्मा, लोक रागनी गायक

बुजुर्ग समाज की धरोहर, विद्यार्थियों ने उनके सम्मान की ली प्रतिज्ञा

अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के विकासखंड अमरोहा स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय नन्हेड़ा अल्यारपुर में अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में बुजुर्गों के प्रति आदर, सेवा और संवेदनशीलता की भावना को जागृत करना रहा। इस विशेष अवसर पर आमंत्रित वरिष्ठ नागरिकों का विद्यालय परिवार द्वारा भावभीना स्वागत किया गया। बुजुर्गों ने बच्चों



के साथ अपने जीवन के अमूल्य अनुभव साझा किए और उन्हें

उनकी प्रेरक बातें सुनकर बच्चे अत्यंत उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने घर और समाज के वरिष्ठ नागरिकों की सदैव सेवा करने, उनके अनुभवों से सीखने तथा उनका सम्मान करने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। शिक्षकों ने भी बच्चों को बुजुर्गों के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डग्गामार वाहनों और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान, 159 वाहनों पर कार्रवाई

24 वाहनों के चालान, दो ओवरलोड ट्रैक्टरों पर कार्रवाई, ई-रिक्शा व टैप्पो से हटवाए अवैध पायदान और अतिरिक्त सीटें



संभल(सब का सपना):— जनपद के पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट संभल एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में डग्गामार वाहनों, ओवरलोडिंग तथा सड़क किनारे खड़े वाहनों के खिलाफ संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चामुंडा मंदिर के पास अवैध अतिक्रमण हटवाया गया तथा वाहन चालकों को यातायात

नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान चंदौसी रोड और मुरादाबाद रोड के किनारे खड़े 24 वाहनों के चालान किए गए। वहीं दो ओवरलोड ट्रैक्टरों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई की गई। एक बस में अग्निशमन यंत्र से संबंधित नियमों के उल्लंघन तथा प्रेशर हॉर्न के प्रयोग को लेकर भी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा ओवरलोडिंग



करने वाले पिकअप वाहनों के साथ-साथ ई-रिक्शा और टैप्पो के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कई ई-रिक्शा और टैप्पो में अवैध रूप से लगाए गए पायदान और अतिरिक्त सीटों को हटवाया गया। वाहन चालकों को हिदायत दी गई कि भविष्य में वाहनों में इस प्रकार से अतिरिक्त पायदान और सीटें लगाकर संचालन न करें। अभियान के दौरान पूरे जनपद संभल में कुल

159 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्रवाई की गई, जबकि कुल 1,51,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कमरे में बंद कर अश्लील वीडियो बनाने और पांच लाख रुपये मांगने का आरोप,आरोपी गिरफ्तार

तीन आरोपी पहले हो चुके हैं गिरफ्तार, पुलिस ने 62 वर्षीय युवक को दबोचा

रजपुरा/संभल(सब का सपना):— जनपद के थाना रजपुरा क्षेत्र में एक व्यक्ति को कमरे में बंद कर कथित रूप से अश्लील वीडियो बनाने, ब्लैकमेल करने और पांच लाख रुपये की मांग करने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर रुपये नहीं देने पर अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा दुकर्म का झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को होराम सिंह पुत्र लाखन सिंह निवासी ग्राम



देवपुरा, थाना रजपुरा ने थाने में तहरीरी सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर थाना रजपुरा में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया

गया था। मामले की विवेचना के दौरान गुरुवार को थाना रजपुरा पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित अभियुक्त श्रीपाल पुत्र स्वर्गीय धर्म सिंह, उम्र करीब 62 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, इसी मुकदमे से संबंधित अभियुक्त प्रमोद उर्फ पालू पुत्र महेन्द्र, विरेन्द्र उर्फ छोटे पुत्र बालमुकन्द तथा लक्ष्मी पुत्री महेन्द्र को पूर्व में 21 अगस्त को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अपनी मांगों को लेकर चोथे दिन भी संविदा एनएम का अनिश्चितकालीन धरना जारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):— सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संविदा एनएम का अनिश्चितकालीन धरना चोथे दिन भी जारी रहा। संविदा एनएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में विरोध जताया और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। एनएम ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित रूप में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। धरने पर बैठी संविदा एनएम का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रही हैं और



विभाग द्वारा दी जाने वाली सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। इसके बावजूद उनकी पुरानी मांगें अब तक लंबित पड़ी हुई हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंप गए जापन में संविदा एनएम ने समान कार्य के लिए समान वेतन और केशलेस इलाज जैसी सुविधाओं की

मांग प्रमुखता से उठाई। उनका कहना है कि नियमित कर्मचारियों के समान जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और वेतन लाभ नहीं मिल पा रहा है। वे अपनी मांगों को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अधिकारियों के समक्ष रख रही हैं। एनएम के अनुसार इससे पहले

भी विभाग को लिखित में अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया था लेकिन कोई समाधान न निकलने के कारण उन्हें अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही लिखित रूप में ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे कार्य बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाकर उचित कार्रवाई कराने का अनुरोध किया।

प्रदर्शन के दौरान नीरज कुमार, विमलेश, प्रियंका अग्रवाल, प्रियंका, डोली, रजनी, गीता, कंचन चौधरी, सीमा चौहान, प्रीति कुमारी, प्रीति पाल, उमेश कुमारी और स्वाति समेत दर्जनों संविदा एनएम मौजूद रही।

गजरौला में एक दिन, एक घंटा, एक साथ, महाअभियान के तहत किया गया श्रमदान



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):— गुरुवार को गजरौला नगर में एक दिन, एक घंटा, एक साथ महाअभियान के अंतर्गत 1 घंटे का विशेष श्रमदान किया गया। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष, अधिकारियों, कर्मचारियों और नगरवासियों ने मिलकर फायर स्टेशन गजरौला से थानपुर फाटक की ओर सफाई की। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान



इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नेपाल सिंह ने कहा कि नगर को स्वच्छ रखना हमारा मुख्य लक्ष्य है। महाअभियान में सफाई कर्मचारियों के साथ आम जनता का सहयोग सराहनीय है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्वे, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नेपाल सिंह, लिपिक

ललित कुमार, देवेंद्र सिंह, अक्षय शुक्ला, विभोर जिंदल, दीपू कुमार, ओमप्रकाश, योगेश, सुमित, गौरव, अमित, कपिल भटनागर, कपिल कुमार, शुभम सिंघल, रतिक सिंघल, नदीम खान, दुष्पंत सफाई नायक महेश, जयचंद, मुनेश आदि कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधि और नगरवासी उपस्थित रहे।

पोषण के प्रति जागरूक करने वालों को जेबीएफ ने किया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):— जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) ने पोषण माह में परिषदीय विद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं को खानपान के प्रति जागरूक करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएसआर प्रमुख विवेक प्रकाश ने कहा कि देश की तरक्की में युवा पीढ़ी ही सबसे सशस्त कड़ी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए जुबिलेंट सतत प्रयासरत है। बता दें कि बुधवार की दोपहर गजरौला में



जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के अतिथि गृह में सीएसआर प्रमुख विवेक प्रकाश ने छात्र-छात्राओं से

उनके लक्ष्य को लेकर बातचीत की। साथ ही जीवन में तरक्की करने के कई टिप्स भी दिए। कहा कि जेबीएफ

सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्रमुखता से करती आई है। छात्र-छात्राओं को खानपान के संबंध में जानकारी देकर कुपोषण को रोकने में काफ़ी मदद मिलेगी। उन्होंने टीम में शामिल आशु कुमार, यश कुमार, दीपक, शिवानी, भूमिका, यशिका एवं दीपिका को सम्मानित किया। इस मौके पर जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा, विजयानी गर्ल्स कालेज जयपुर के डीन भूपेश गुप्ता, एआई के आलोक कुमार, डा.सुजिंदर फोगाट, विशाल गौरव आदि मौजूद रहे।

श्रमिक कल्याण योजनाओं के प्रचार वाहन को जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

बहजोई/संभल (सब का सपना):— जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रमिकों को राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की गई है। कलक्ट्रेट परिसर बहजोई से जिलाधिकारी अफ़्जित खण्डेलवाल ने श्रम विभाग के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर जनपद में भ्रमण के लिए रवाना किया। यह वाहन जिले के विभिन्न विकास खंडों ग्रामीण पंचायत क्षेत्रों और सक्रिय निर्माण स्थलों पर जाकर उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के तहत चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी



श्रमिकों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम के दौरान सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल ने बताया कि प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मौके पर ही श्रमिकों की सहायता के लिए विभागीय कंप्यूटर ऑपरेटरों को भी तैनात किया गया है। वे ऑपरेटर निर्माण स्थलों और गांवों में पहुंचकर

पात्र श्रमिकों के नए पंजीयन और नवीनीकरण के कार्य में सीधे मदद करेंगे। विभागीय अधिकारियों ने सभी श्रमिकों से अपील की है कि वे आधिकारिक वेबसाइट अथवा नजदीकी जनसेवा केंद्र के माध्यम से अपना पंजीकरण अवश्य कराएं जिससे वे शासन की योजनाओं का

मंडी धनौरा में आयोजित जाटव सभा की बैठक में जिला कार्यकारिणी भंग करने का ऐलान,सदस्यों की सहमति से लिया गया फैसला



की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष मदन भारत ने जिला कार्यकारिणी को तुरंत भंग करने का ऐलान किया। यह फैसला

उठाया गया है। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि भंग की गई कार्यकारिणी का कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता अब संगठन के पुराने दस्तावेज या

सभी सदस्यों की सहमति से लिया गया। प्रदेशाध्यक्ष मदन भारत ने बताया कि संगठन को नई ऊर्जा देने और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए यह कदम

लेटरपैड का इस्तेमाल नहीं करेगा। ऐसा करने पर अनुशासनहीनता मांगी जाएगी। मदन भारत ने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि संगठन का पुनर्गठन जल्द होगा। अगली बैठक की तारीख भी जल्द बताई जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट रहने और समाज हित में काम करने की अपील की। बैठक में विजिन सिंह, दयाराम गौतम, सोनू कुमार, हरचरन प्रधान, मुकेश, संजीव, जसवंत, उमंग, सनी, परम सिंह और जोगेंद्र सिंह सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

सैकड़ों महिलाओं ने लिया कलश यात्रा में भाग, श्रद्धालुओं ने किया कथा का श्रवण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम कालाखेड़ी में शुक्रवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान गंगा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में गांव की सैकड़ों महिलाओं के साथ पुरुषों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। शुक्रवार सुबह ग्राम कालाखेड़ी के एक मैदान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए, जहां से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर चल रही थीं, जबकि मां राजेश चौहान श्रीमद्भागवत ग्रंथ को लेकर चल रहे थे। कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा



पंडाल पहुंची। इसके बाद कथा व्यास सतीश कुमार शर्मा ने विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कराया। कथा के प्रथम दिन कथा व्यास सतीश कुमार शर्मा ने

श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा ज्ञान की गंगा है। इसके श्रवण से मानव का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष के दौरान श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

करने और श्रवण करने से पितरों को भी शांति प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा का नियमित रूप से श्रवण कर जीवन में धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। भागवत कथा का आयोजन दिनेश चौहान, राजकुमार, अमित कुमार ठाकुर, देवेंद्र सिंह, प्रभात कुमार, जगवीर सिंह, जयप्रकाश सिंह, एडवोकेट राकेश कुमार, एडवोकेट दीपक चौहान, अंकुर चौहान, मनोज चौहान, अरविंद कुमार, एडवोकेट राहुल, शिवि चौहान, संगीता, सविता, मंजू, टीना, शोभा रानी आदि के संयुक्त प्रयास से कराया जा रहा है।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस के यजमान डॉ.ए.के. दक्ष व रमन गोयल रहे

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- सनातन धर्म प्रचार समिति की ओर से चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस डा0 एके दक्ष, डॉ मनीषा दक्ष, माता फूलवती देवी व रमन गोयल, अंजु गोयल को यजमान बनाया गया। प्राप्त समाचार के अनुसार नगर नहटौर में सनातन धर्म प्रचार समिति की ओर से चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस डा०. ए.के. दक्ष, डा० मनीषा दक्ष, माता फूलवती देवी व रमन गोयल, अंजु गोयल को यजमान



बनाया गया। जिसकी पूजा अर्चना गुरु मलंग दास, आचार्य पंडित रवि शर्मा व सहयोगी पंडित सुबोध

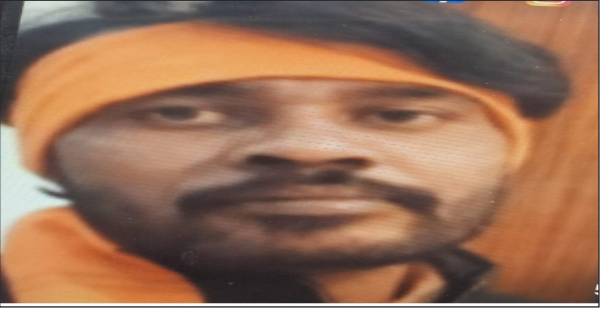
भारद्वाज, एवं पंडित अशोक शर्मा, के कर कमलों द्वारा पूजा अर्चना कराई गई। कथा प्रारंभ होने से पहले

यजमानों ने कथावाचक सुदामा दास महाराज का तिलक किया। अंत में आरती के बाद 56 भोग और प्रसाद का वितरण किया साथ में मुख्य यजमान नगर पालिका परिषद सभासद व समाज सेवी मुकेश गुप्ता, पायल गुप्ता, पलक गुप्ता, प्रवेश अग्रवाल, प्रेरणा अग्रवाल, पवन अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, निशा अग्रवाल, संजोग अग्रवाल, निश्चय त्यागी, सुशांत गोयल रतन सैनी आदि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, पत्नी ने जताया संदेह

पत्नी के ऑपरेशन के बकाया रुपये देने के लिए घर से निकला था मोनू, रामलीला देखने के बाद लौटते समय हादसा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- काला खेड़ी रेलवे फाटक के पास बुधवार देर रात ट्रेन की चपेट में आने से 30 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। मृतक की पत्नी ने पति की मौत को संदिग्ध बताते हुए मामले की जांच की मांग की है। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय मोहल्ला नेजोवाली गांवड़ी निवासी मोनू कुमार पुत्र डालचंद सैनी पिछले करीब एक वर्ष से आजाद कॉलोनी, लाइन पार क्षेत्र में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था। बताया गया कि करीब



पांच दिन पूर्व मोनू की पत्नी आरती देवी का नगीना के एक निजी चिकित्सक के यहां ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद मोनू अपनी पत्नी को घर ले आया था। उपचार के कुछ रुपये बकाया बताए जा रहे थे। मृतक की पत्नी आरती देवी के अनुसार, बकाया रुपये अदा करने

के लिए मोनू घर से सोने की चेन बेचने अथवा गिरवी रखने के लिए लेकर निकला था। इस दौरान उसका दोस्त नमन उर्फ रमन भी उसके साथ था। आरती के मुताबिक दोनों पहले मंडी मौलंगज स्थित रामलीला देखने गए थे। इसके बाद रात करीब 12:30 बजे दोनों लाइन पार स्थित

अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान काला खेड़ी रेलवे फाटक के पास मोनू ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों के साथ पुलिस व जीआरपी को सूचना दी। कुछ ही देर में परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक की पत्नी आरती देवी ने घटना को संदिग्ध बताते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। जीआरपी ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रामलीला मैदान व तालाब की विशेष साफ-सफाई को चला अभियान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्वच्छता ही सेवा-2026 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद स्योहारा द्वारा बुधवार को एक दिन, एक घंटा, एक साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत नगर के रामलीला ग्राउंड के सामने स्थित तालाब एवं रामलीला मैदान की विशेष साफ-सफाई की गई। अभियान का शुभारंभ नगर पालिका परिषद स्योहारा के अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने किया। कार्यक्रम में नगर के एनजीओ अध्यक्ष एवं उनके सदस्यों ने भी सहभागिता की। नगर पालिका



के कर्मचारियों, सभासदों, रोटी क्लब के पदाधिकारियों तथा अन्य लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहयोग किया। कार्यक्रम में लेखा लिपिक/अधिष्ठान लिपिक

देवेंद्र सिंह, लिपिक चांदनी रईस, मोहम्मद शान, अमित कुमार, सभासद श्वेत रस्तोगी, दिलशाद अहमद, जाब्बार, नईम अहमद, रोटीर क्लब अध्यक्ष कांता प्रसाद

पुष्पक, शमीमा, ओमप्रकाश सिंह, नौशाद अहमद, दिलशाद अहमद, जुबैरी हुसैन, फैयाजुद्दीन, कंप्यूटर ऑपरेटर रामगोपाल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इसके बाद नगर पालिका परिषद स्योहारा की ओर से संचारी रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से चलाए जाने वाले पखवाड़े के लिए सभी निकाय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अधिशासी अधिकारी ने स्वच्छता एवं रोगों की रोकथाम के लिए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

सूर्य घर योजना की डीएम ने परखी रफ्तार, बैंकों में लंबित आवेदनों पर जताई नाराजगी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी कार्यालय में गुरुवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में नेडा विभाग के अंतर्गत संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी परियोजना अधिकारी/डिप्टी कलक्टर रामानुज ने योजना की प्रगति सहित विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देकर आवेदनों की बैंकवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक सहित अन्य बैंकों में लंबित आवेदनों की स्थिति जानी। इसके साथ ही स्वीकृत आवेदनों पर ऋण वितरण की प्रगति की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक



दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने योजना के अंतर्गत बैंकवार अस्वीकृत आवेदनों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि अस्वीकृत आवेदनों की समीक्षा कर उनके कारणों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी आवेदन को अनावश्यक

रूप से लंबित अथवा अस्वीकृत न रखा जाए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत को भी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक में योजना से संबंधित वेंडर्स, लंबित अथवा अस्वीकृत आवेदनों वाले आवेदक

तथा संबंधित बैंकों के अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इससे लंबित प्रकरणों और अस्वीकृत आवेदनों के कारणों की मौके पर समीक्षा कर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक में डिप्टी कलक्टर अभिमन्यु कुमार, नीरज द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।

शराब के नशे में विवाद बना अनीस की हत्या की वजह

पुलिस पूछताछ में सामने आया घटनाक्रम, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा क्षेत्र से लापता हुए अनीस हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अनीस की हत्या 23 सितंबर की रात शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद की गई थी। आरोपियों की निशानदेही पर हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव कुम्हारपुरा में राजवाह के किनारे गन्ने के खेत से अनीस का शव बरामद किया गया। मौके से मृतक का आधार कार्ड और खून से सने कपड़े भी बरामद हुए हैं। हत्याकांड में शामिल बताए जा रहे तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक 27 सितंबर को जमील पुत्र अब्दुल अजीज निवासी मकसुदपुर, थाना स्योहारा ने



अपने भाई अनीस की गुमशुदगी की सूचना थाने में दी थी। तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान अनीस के पास रुपये होने की आधार पर पुलिस ने हिमांशु पुत्र राजकुमार निवासी अबेडकर नगर, हल्दौर और राजा पुत्र धर्मवीर निवासी जुमना वाला, हल्दौर को

हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 23 सितंबर की रात वे अनीस के साथ शराब पी रहे थे। इसी दौरान अनीस के पास रुपये होने की बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि हिमांशु ने अनीस को पकड़ लिया और राजा ने उसके पैर दबोके लिए। इसी दौरान हरीप्रत उर्फ

हर्ष उर्फ अंगा ने बेल्ट से उसका गला दबाया और नुकीली सलाह से गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हत्या के बाद शव को कुम्हारपुरा में राजवाह के किनारे गन्ने के खेत में करीब 50 कदम अंदर छिपा दिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर आवश्यक कार्रवाई की। घटनास्थल से खून से सने कपड़े भी मिले हैं। स्योहारा पुलिस ने 30 सितंबर को मामले में बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुलिस ने कार्रवाई के बाद न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जबकि तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और वसीयत तैयार कर जमीन हड़पने की कोशिश, दो गिरफ्तार

नजीबाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर की कार्रवाई, लेखपाल समेत चार लोगों पर है साजिश का आरोप

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और कूटस्थ वसीयत तैयार कर कृषि भूमि हड़पने के कथित मामले में नजीबाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में एक लेखपाल समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जनपद के ग्राम शिकापुर निवासी कमलनाथ पुत्र स्वर्गीय महेंद्रनाथ ने 30 सितंबर को थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि धर्मपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय रतन सिंह निवासी ग्राम महावतपुर बिलौच, जसवंत सिंह दिल्ली पुत्र मेहर सिंह निवासी ग्राम मौं अमीरानपुर, विजय शंकर शंभेय पुत्र उदयभान निवासी मौं श्यामली



तथा हल्का लेखपाल डेविड कुमार निवासी क्षेत्र मोहम्मद ताहापुर, तहसील नजीबाबाद ने आपस में षड्यंत्र रचकर उसके पिता स्वर्गीय महेंद्रनाथ की कृषि भूमि गटा संख्या 429, रकबा 2.1560 हेक्टेयर को हड़पने का प्रयास किया। आरोप है कि आरोपियों ने धोखाधड़ी करते हुए स्वर्गीय महेंद्रनाथ का कूटस्थ मृत्यु प्रमाण पत्र तथा फर्जी वसीयत तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत की। तहरीर

के आधार पर थाना नजीबाबाद में मु0अ0सं0 478/2026 के तहत बीएनएस की धारा 61(2), 318(4), 338, 336(3) व 340(2) में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, मामले की विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर बुधवार को पुलिस ने आरोपी धर्मपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय रतन सिंह निवासी ग्राम महावतपुर बिलौच, थाना नजीबाबाद तथा

विजय शंकर पुत्र स्वर्गीय उदयभान निवासी मूल पता ग्राम-पोस्टो बरठी, थाना मड़ल, तहसील सलेमपुर, जनपद देवरिया, हाल निवासी मौं श्यामली स्टेट, कस्बा नजीबाबाद को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी धर्मपाल सिंह का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस के अनुसार उसके विरुद्ध नजीबाबाद थाने में वर्ष 2026 का मुकदमा तथा कोतवाली शहर बिजनौर में वर्ष 2016 के दो मुकदमे दर्ज हैं। वहीं आरोपी विजय शंकर के विरुद्ध वर्तमान मुकदमा ही दर्ज होना बताया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, निरीक्षक वेदपाल सिंह पुंडीर, उपनिरीक्षक अमर सिंह राठौर, हेड कांस्टेबल 568 अंशुल अहलावत तथा कांस्टेबल 2484 संदीप कुमार शामिल रहे।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में हरि सिंह दिल्ली के समर्थन में किया गया जनसंपर्क



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले विधान परिषद चुनाव को लेकर चुनावी जनसंपर्क तेज हो गया है। वर्तमान एमएलसी डॉ. हरि सिंह दिल्ली के समर्थन में उनके बड़े भाई सेवा सिंह ने क्षेत्र के



विभिन्न इंटर कॉलेजों में पहुंचकर शिक्षकों से संपर्क किया और उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की। सेवा सिंह ने शिक्षकों के समक्ष डॉ. हरि सिंह दिल्ली द्वारा विधान परिषद में शिक्षकों की समस्याओं को उठाए जाने तथा उनके समाधान के लिए किए गए प्रयासों

का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों को लगातार सदन में उठाने का प्रयास किया गया है। इस दौरान उन्होंने ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आरएसपी इंटर कॉलेज, बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज तथा मुस्लिम कुदरत

फर्जी दुष्कर्म के मुकदमों में फंसाकर धन वसूलने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मुख्य आरोपी जुलफिकार उर्फ बब्बू लंगड़ा के गिरोह से जुड़ी शबाना पकड़ी गई, तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नजीबाबाद पुलिस ने फर्जी दुष्कर्म के मुकदमों में लोगों को फंसाकर धन वसूलने के आरोप से संबंधित मामले में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला की पहचान शबाना पत्नी शाहजाद, निवासी काशीराम कॉलोनी, थाना कोतवाली शहर, बिजनौर के रूप में हुई है। उसके कब्जे में तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस की प्रेस विज्ञापन के अनुसार नजीबाबाद थाने में दर्ज दो मुकदमों की विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी जुलफिकार उर्फ बब्बू लंगड़ा कथित रूप से एक गिरोह का संचालन करता था। गिरोह में दिलशाद, शाममा, कुंती, पायल, अराफात, शम्स आजम उर्फ अनस, अतिमा सहित अन्य सहयोगी शामिल बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह द्वारा लोगों के आपसी विवाद, पुराने रंजिश संबंधी मामलों की जांच जाता था। इसके बाद मुकदमों में समझौता कराने के नाम पर धनराशि की मांग किए जाने का



आरोप है। मांग पूरी नहीं होने पर महिलाओं व अन्य सहयोगियों पर दबाव बनाकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करते थे। पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार महिला ने बताया कि वह जुलफिकार उर्फ बब्बू लंगड़ा के संपर्क में थी। कथित योजना के अनुसार पहले चिन्हित व्यक्तियों के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी घटनाएं दर्शाकर मुकदमे दर्ज कराने की तैयारी की जाती थी। इसके बाद घटनास्थल व आरोपों की कहानी तैयार कर पुलिस को सूचना दी जाती और न्यायालय के माध्यम से भी कार्रवाई कराई जाती थी। पुलिस के मुताबिक

कथित रूप से आपसी षड्यंत्र के तहत संबंधित व्यक्तियों पर दबाव बनाकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करते थे। पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार महिला ने बताया कि वह जुलफिकार उर्फ बब्बू लंगड़ा के संपर्क में थी। कथित योजना के अनुसार पहले चिन्हित व्यक्तियों के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी घटनाएं दर्शाकर मुकदमे दर्ज कराने की तैयारी की जाती थी। इसके बाद घटनास्थल व आरोपों की कहानी तैयार कर पुलिस को सूचना दी जाती और न्यायालय के माध्यम से भी कार्रवाई कराई जाती थी। पुलिस के मुताबिक

पकड़ी गई महिला से बरामद आधार कार्डों के संबंध में पूछताछ करने पर उसने बताया कि ये आधार कार्ड जुलफिकार उर्फ बब्बू लंगड़ा ने बनवाकर दिए थे। इनका इस्तेमाल पहचान बदलकर थानों में मुकदमे लिखवाने के लिए किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में भी पुलिस की जांच जारी है।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस ने एसएफ व वैली व्यू सोसायटी में चलाया विशेष जागरूकता अभियान एजेंसी

गुरुग्राम। डीसीपी पूर्व संदीप कुमार के निर्देशों पर ग्वाल पहाड़ी चौकी पुलिस ने एसएफ और वैली व्यू सोसाइटी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान निवासियों, युवाओं और विद्यार्थियों को नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा और महिला-बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने लोगों को अनजान कॉल, ओटीपी व पासवर्ड शेयर न करने और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की सलाह दी। साथ ही, छात्राओं को आत्मरक्षा के टिप्स दिए गए और आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए डायल-112, ट्रिप निगरानी व डिजिटल सहेली सेवाओं की जानकारी दी गई। पुलिस ने समाज से नशाखोरी और साइबर अपराध मिटाने में सहयोग की अपील की।

जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्रों ने किया मानेसर थाना का शैक्षणिक भ्रमण एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ के लगभग 30 विद्यार्थियों ने थाना मानेसर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को पुलिस की दैनिक कार्यप्रणाली, डायल-112 सेवा, एफआईआर पंजीकरण, साक्ष्य संकलन और न्यायालय प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी गई। विशेष रूप से विद्यार्थियों को नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के व्यावहारिक क्रियान्वयन से अवगत कराया गया। इसके अलावा, छात्रों को नशा मुक्ति के प्रति भी जागरूक किया गया। विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने इस ज्ञानवर्धक अनुभव के लिए मानेसर पुलिस का आभार जताया।

पुलिस ने नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त सिबाश कबिराज और डीसीपी मानेसर प्रतीक गहलोत के निर्देशों पर थाना खेड़की दौला पुलिस ने भांगरौला स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। थाना प्रबंधक एसआई ततपाल और पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक व मानसिक नुकसान बताकर इससे दूर रहने की प्रेरणा दी। छात्रों को इंटरनेट व सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने और सुरक्षित डिजिटल उपयोग के टिप्स दिए गए। पुलिस टीम ने कहा कि युवाओं को जागरूक बनाकर ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। खेड़की दौला पुलिस द्वारा आगे भी ऐसे जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेंगे।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता एजेंसी

गुरुग्राम। यातायात पुलिस गुरुग्राम में चालान नहीं सलाम मिलेगा अभियान के तहत सुरक्षा रथ की मदद से हीरो होंडा चौक, कापड़ीवास चौक और आईएमटी चौक मानेसर पर तीन जागरूकता पाठशालाओं का आयोजन किया। इसमें 110 से अधिक ऑटो-टैक्सी चालकों और पैदल यात्रियों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। एलईडी चालित सुरक्षा रथ के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा, आपातकालीन नंबरों और सड़क हादसों में 1.50 लाख रुपये तक की कैशलेस इलाज योजना की जानकारी दी गई। साथ ही, साइबर फ्रॉड से बचाव के टिप्स और हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया।

अपराधियों की गिरफ्तारी एजेंसी

गुरुग्राम। क्राइम ब्रांच सोहना की पुलिस टीम ने वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो शांति आरोपियों सचिन और राहुल निवासी नूंह को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता की बाइक सिलानी स्थित जेटो वेयरहाउस के पास से चोरी हुई थी, जिस पर थाना सदर सोहना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी सचिन को सोहना और राहुल को तावड़ से दबोचा। पछताछ में आरोपियों ने गुरुग्राम से एक अन्य बाइक चोरी करने का खुलासा किया, जिसके बाद उनके कब्जे से दो चोरी की बाइकें बरामद की गईं। आरोपी सचिन पर पहले से पांच और राहुल पर दो चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

नशीले पदार्थ के सहित गिरफ्तारी एजेंसी

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-17 की पुलिस टीम ने दसहरा ग्राउंड से 22 वर्षीय आरोपी साहिल खान को 07.22 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से नूंह का निवासी है और हाल में हीरा नगर, गुरुग्राम में रह रहा था। आरोपी के खिलाफ नवासे सेक्टर-14 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पछताछ में सामने आया कि आरोपी ने यह हेरोइन 55 हजार रुपये में खरीदी थी और इसे गुरुग्राम में छोटी-छोटी पुड़िया बनाने बेचने की फिराक में था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी साहिल खान पर पहले से ही चोरी और आर्म्स एक्ट के छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गुरुग्राम पुलिस के ईएसआई राकेश हुए सेवानिवृत एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस में अपनी लंबी और समर्पित सेवाएं देने के बाद कार्यकां उप-निरीक्षक राकेश बुधवार को सेवानिवृत हो गए। इस अवसर पर पुलिस लाईंस, गुरुग्राम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय अनिल मुख् अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ईएसआई राकेश को शॉल ओढ़ाकर, स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एसीपी अनिल ने गुरुग्राम पुलिस विभाग में उनके द्वारा दी गई दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की और उनके उत्तम स्वास्थ्य तथा सुखद भावी जीवन की कामना की। गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त शिबास कबिराज ने भी ईएसआई राकेश के सफल एवं समर्पित सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सीपी ने संदेश में कहा कि विभाग के लिए उनका योगदान सराहनीय रहा है और वे उनके आगामी जीवन के सुखमय, स्वस्थ एवं उज्ज्वल रहने की कामना करते हैं। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त अधिकारी के साथ बिताए पलों को याद किया और उन्हें भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

घामडौज टोल प्लाजा के आसपास चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान एजेंसी

सोहना। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर स्थित घामडौज टोल प्लाजा के आसपास लंबे समय से फैल रहे अवैध अतिक्रमण पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को टीम ने स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से एक विशेष अभियान चलाकर टोल प्लाजा के इर्द-गिर्द अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे लोगों पर शिकंजा कसा। इस दौरान सड़क किनारे रखे गए खज्जर, अरब वृक्ष और अन्य सामान को हारड़्डा मशीन की मदद से उठाकर जले कर लिया गया। बुधवार सुबह अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि किसी ने दोबारा सड़क किनारे या राष्ट्रीय राजमार्ग की सीमा में अतिक्रमण करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ और अधिक सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टोल प्लाजा के आसपास लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के कारण वहां आए दिन अव्यवस्था और जाम का माहौल बन रहा था। अनाधिकृत रूप से खड़े होने वाले वाहनों और रेहडिग्न के कारण ट्रैफिक संचालन में भी बाधा आ रही थी,

कैथल में सपा की पीडीए पंचायत, सामाजिक एकजुटता का दिया संदेश

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जनपद संभल के लिए भेजे गए जिला प्रभारी एवं प्रदेश सचिव आचार्य पूरनमल प्रजापति के स्वागत में विधानसभा चंदौसी के ग्राम कैथल में गुरुवार को पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य पूरनमल प्रजापति, जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि आचार्य

सम्भल के बाढ़ प्रभावित गांवों में पशुपालन विभाग ने बांटा हरा चारा और भूसा



सम्भल (सब का सपना):- जिले की तहसील गुनौर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति का संज्ञान लेते हुए प्रशासन द्वारा राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के सख्त निर्देशों के क्रम में पशुपालन विभाग ने बाढ़ से घिरे गांवों में पशुओं के भरण-पोषण की समस्या को दूर करने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। इसी कड़ी में मुख्य पशु चिकित्सा

सचिवों की समस्याओं को लेकर समन्वय समिति ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति जनपद सम्भल की बैठक गुरुवार को पूर्व निर्धारित एजेंडे के अनुसार डीपीआरसी भवन बहजोई में आयोजित हुई। बैठक के बाद समिति की ओर से जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सचिवों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई। समिति ने कहा कि मध्य सत्र में बिना उचित कारण सचिवों के स्थानांतरण किए जाने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बिना जायज कारण मध्य सत्र में स्थानांतरण नहीं किए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही विकासखंड गुनौर के सचिवों का अगस्त 2026 के 10 से 14 दिनों तक अवरुद्ध वेतन जारी कराने की मांग की गई। समिति ने विकासखंड सम्भल में ग्राम पंचायतों की जांच के लिए गठित कमेटीयों के संबंध में कहा कि जिन शिकायतों के आधार पर जांच कराई जा रही है, पहले उन शिकायतों की सत्यता की जांच कराई जाए और इसके बाद ही कमेटी द्वारा ग्राम पंचायतों की



जांच की जाए। जापन में अनिल कुमार और नितिन कुमार ग्राम विकास अधिकारियों के लॉबित प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराने, विमल कुमार, अवरार अहमद, कुनाल सिंह और सुशीव कुमार को कार्य बहाल करने की मांग भी रखी गई। समिति ने कहा कि वर्तमान में अन्य सचिवों पर कार्य का अतिरिक्त बोझ है। इसके अलावा विकासखंड स्तर पर सचिवों के रुके वेतन, वेतन वृद्धि और एरियर जारी कराने के लिए संबंधित पटल सहायकों को निर्देशित करने की मांग की गई। फार्मर रजिस्ट्री का 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण होने का हवाला देते हुए शेष कार्य संबंधित विभाग से कराने तथा इसके चलते रुके वेतन को जारी कराने की मांग की



के लिए पीडीए समाज को एकजुट होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार धर्म के नाम पर समाज

को बांटने का काम कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी पीडीए समाज को जोड़ने की बात करती है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने पार्टी पदाधिकारियों से

गांव-गांव पहुंचकर पीडीए की नीतियों और विचारों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति ने किया। उन्होंने पिछड़े समाज से जागरूक होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम में पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमार, बलवंत सिंह, उमेश दिवाकर, मलखान सिंह एडवोकेट, कामरेड रेवाराम, पूरनलाल मोयं, फकरे आलम, उमेश यादव, संजय मदन, शोभित कुमार काका सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।इस दौरान

रवेश भारती, सोमवीर प्रजापति एडवोकेट, राजकुमार प्रजापति, प्रहलाद प्रजापति, शिवकुमार प्रजापति, यादराम प्रजापति, टिकू प्रजापति, कपिल प्रजापति, राहुल प्रजापति ने किया। उन्होंने पिछड़े समाज से जागरूक होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम में पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमार, बलवंत सिंह, उमेश दिवाकर, मलखान सिंह एडवोकेट, कामरेड रेवाराम, पूरनलाल मोयं, फकरे आलम, उमेश यादव, संजय मदन, शोभित कुमार काका सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।इस दौरान

आकांक्षा समिति की बैठक पांच दिन में सर्वे कर पात्रों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशानुसार जनपद सम्भल की आकांक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक बहजोई विकासखंड की ग्राम पंचायत चकरपुर में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता आकांक्षा समिति की उपाध्यक्ष मुदुला भट्ट ने की बैठक में समिति के सदस्यों और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधे संवाद करते हुए गांव की विभिन्न समस्याओं उनके कारणों तथा उनके समाधान के उपायों पर विस्तार से मंथन किया। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने पेंशन सड़क जल निकासी और खाद्यान्न वितरण से जुड़ी कई शिकायतें और समस्याएं उठाईं। कुछ लाभार्थियों द्वारा उठाई गई शिकायतों के गांभीरता से लेते हुए समिति की उपाध्यक्ष ने कड़ी नाजगी व्यक्त की और संबंधित विभागों/अधिकारियों को इन समस्याओं का पारदर्शी तथा त्वरित निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गांव का कोई भी पात्र व्यक्ति विधवा पेंशन या वृद्धावस्था पेंशन के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके साथ ही गांव में आवागमन को सुलभ बनाने के लिए सड़कों की स्थिति सुधारने और जल भराव की समस्या से निपटने के लिए जल निकासी की व्यवस्था को सुचारु बनाने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिए गए। बैठक का मुख्य आकर्षण गांव के सर्वोगीण विकास के लिए तय की गई पांच दिवसीय विशेष सर्वे कार्य योजना रही। समिति की उपाध्यक्ष ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों आशा कार्यकर्ताओं और स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को निर्देश दिए कि वे आगामी पांच दिनों के भीतर गांव का गहन सर्वे करें। यह सर्वे मुख्य रूप से पांच बिंदुओं पर केंद्रित रहेगा। पहले स्वास्थ्य के तहत गांभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों उनकी आर्थिक स्थिति का ब्यौरा जुटाया जाएगा। दूसरे शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल न जाने वाले या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को चिन्हित किया जाएगा। तीसरे आवास के अंतर्गत पक्के मकान की जरूरत वाले पात्र परिवारों की सूची बनेगी। चौथे महिला सुरक्षा एवं शोषण के तहत पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उनकी सहायता की जाएगी। पांचवें राशन एवं खाद्यान्न के तहत राशन कार्ड से वंचित परिवारों और कोटेदार से मिल रहे खाद्यान्न की वास्तविक स्थिति की जांच की जाएगी। सर्वे के बाद तैयार होने वाली विस्तृत रिपोर्ट को तुरंत संबंधित विभागों को भेजा जाएगा ताकि शासन की कल्याणकारी योजनाओं से पात्रों को सीधा लाभ पहुंचाया जा सके। इस बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, डीसी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रंजना राजपूत, खंड विकास अधिकारी ओमवीर सिंह, ग्राम प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री धुनेश्वर, आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, गोरखपुर में 12 अक्टूबर से शुरू होगी ईवीएम की जांच

गोरखपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत निर्वाचन कार्यालय ने ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को पर्यटन भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इसमें बताया गया कि आयोग के निर्देश पर ईवीएम की एफएलसी के लिए 12 अक्टूबर 2026 की संभावित तिथि प्राप्त हुई है। आयोग से बदलाव नहीं होने पर इसी दिन प्रक्रिया शुरू हो सकती है। बैठक में बताया गया कि एफएलसी के लिए पुराने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम वेयरहाउस से बीयू, सीयू और वीवीपैट को सशस्त्र पुलिस बल की निगरानी में मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण विद्यालय, असुरन स्थित वीवीपैट वेयरहाउस ले जाया जाएगा। राजनीतिक दल चाहें तो ईवीएम ले जाने वाले वाहन की निगरानी के लिए अपने प्रतिनिधि तैनात कर सकते हैं। एफएलसी ईवीएम निमाता कंपनी के इंजीनियरों द्वारा आर्डर फोर्स और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी।

सम्भल में 1830 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण माह में बच्चों ने गतिविधियों में दिखाया उत्साह

सम्भल (सब का सपना):- शासन की मंशा के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पोषण माह के अवसर पर सम्भल जनपद में बाल विकास एवं पोषण विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार के कुशल निर्देशन में जिले भर के सभी 1830 आंगनबाड़ी केंद्रों पर शालापूर्व शिक्षा और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन हुआ।आयोजन के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर उत्सवी माहौल देखने को मिला। आंगनबाड़ी कार्यक्रमियों ने केंद्रों के प्रांगण में पोषण और



का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपनी कलात्मक क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। विशेष रूप से आयोजित भारत की मिट्टी गतिविधि के तहत बच्चों ने स्थानीय मिट्टी का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के खेल-खिलौने कलाकृतियां



और रचनात्मक वस्तुएं तैयार कीं। इसके साथ ही बच्चों के शारीरिक विकास और मनोरंजन के लिए रस्सी कूद तथा रस्सी पर संतुलन बनाकर चलने जैसी पारंपरिक खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में

सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान बच्चों को विजेता घोषित कर सम्मानित भी किया गया। केवल केंद्रों तक ही सीमित न रहते हुए पोषण स्वच्छता तथा बाल विकास का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांवों में व्यापक स्तर पर

जागरूकता रैलियां निकाली गईं। इन रैलियों में आंगनबाड़ी कार्यक्रमकत्रियों सहायिकाओं और बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर ग्रामीणों को कुपोषण मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के शारीरिक मानसिक सामाजिक और रचनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। इस तरह के आयोजनों से छोटे बच्चों में सीखने की रुचि विकसित होती है और उनका आत्मविश्वास तथा सहभागिता की भावना मजबूत होती है।

